आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–15 सितम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

सर्वोच्च न्यायालय वक्फ कानून पर रोकि लगवले से मिनहा कइ दिहले हौ बाकिर वक्फ संसोधन अधिनियम दुइ हजार पचीस क कुछु प्रावधाननों के स्थगित कइ दिहले बा। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई अउर न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह क पीठि येह कानून के चुनौती देवे वाली याचिकन पर आजु आपन फैसिला सुनवलसि। एगो रिपोर्ट–

सरकार ने नामित अधिकारी को यह निर्णय लेने की अनुमति देने वाले प्रावधान पर भी रोक लगाई है कि क्या कोई वक्फ संपत्ति सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करती है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि कार्यकारी अधिकारी नागरिकों के अधिकारों का निर्धारण नहीं कर सकते, क्योंकि यह शक्तियों के विभाजन का उल्लंघन होगा। वक्फ बोर्ड में गैर–मुस्लिम सदस्यों के नामांकन को अनुमति देने वाले प्रावधान पर रोक नहीं लगाई गई है। न्यायालय ने कहा है कि जहाँ तक संभव हो, बोर्ड का पदेन सदस्य मुस्लिम व्यक्ति होना चाहिए। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि केंद्रीय वक्फ परिषद में चार से अधिक गैर–मुस्लिम सदस्य नहीं होगे और राज्य वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक गैर–मुस्लिम सदस्य शामिल नहीं किए जाएंगे। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि ये टिप्पणियां केवल प्रथम दृष्टया प्रकृति की हैं। समाचार कक्ष से वैष्णवी।

****

सेवा अउर सुशासन, मंत्र पर चलत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुआई में केन्द्र सरकार परिवर्तन आ प्रगति बदे अथक कोसिस कइ रहलि हौ। येह कोसिसन क सफलता से जुड़ल 'सेवा पर्व' क बिसेस श्रृंखला के क्रम में प्रस्तुत बा एगो रिपोर्ट–

भारत की पर्यावरणीय सद्भाव की यात्रा एक जीवित चित्रकला के रूप में उभर रही है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस प्राचीन ज्ञान को मजबूत और व्यावहारिक कार्यवाही में बदल गया है। हमारे लिए एनवायरमेंट ये आर्टिकल ऑफ फेत । पूरी सृष्टि को चलाने के लिए मिलकिंग ऑफ नेचर तक तो चल सकता है, एक्सप्लोरेशन ऑफ नेचर नहीं चल सकता। आज भारत में जंगली बाघों की जनसंख्या पूरी दुनिया में सबसे अधिक है एशियाई शेरों की जनसंख्या आठ सौ इक्यानबे तक पहुंच गई है जो पिछले एक दशक में सत्तर प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है वही चीते सात दशकों बाद भारत में लौटे हैं और भारतीय भूमि पर नए शावक पैदा किए गए हैं जो प्रमुख परियोजना चीता का हिस्सा है। भारत के पास अब इक्यानबे रामसर साइट्स है जो एशिया में सबसे अधिक है यह प्रवासी पक्षियों और नाजुक परिस्थित क्यों और सुरक्षित रखती है। भूमि पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक सौ बयालीस करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं जो स्थिति को भावना से जोड़ते हैं इस बीच आवरण धीरे–धीरे बड़ा है जो भारत के प्राकृतिक कार्बन सिंक में योगदान कर रहा है। विष्णु की रिपोर्ट के साथ अक्षत विद्यान आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी येह स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला के प्राचीर से दिवाली ले जीएसटी सुधारन के अगिला पीढ़ी क घोसणा कइले रहलें। आयुर्वेद, युनानी अउर होम्योपैथी जइसन चिकित्सा उपकरण आ दवाई बदे कइल गइल सुधारन के ले के प्रस्तुत बा एगो रिपोर्ट–

परिषद आयुर्वेद, यूनानी अउर होम्योपैथी से जुड़ल दवाइयन पर जीएसटी दर बारह फीसदी से घटा के पांच फीसदी कइ दिहले बा सथहीं मेडिकल, डेंटल अउर पसु चिकित्सा से जुड़ल मसीनिनि पर जीएसटी क दर अठारह फीसदी से घटा के पांच फीसदी कइ दिहले हौ। एकरे अलावा, मैंडिकल ग्रेड ऑक्सीजन पर कर बारह फीसदी से घटा के पांच फीसदी कइ दीहल गइल बा। आकाशवाणी नई दिल्ली से दृष्टि अउर आदित्य प्रताप सिंह के रिपोर्ट के साथे समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी आजु बनारस के जिला विकास समन्वय अउर निगरानी समिति के बइठकी क अध्यक्षता कइलें। बइठकी के बादे केन्द्रीय मंत्री बतवलें कि बनारस में पहिले के तुलना में ढेरे विकास कार भइल हौ। केन्द्र अउर प्रदेस सरकार क प्राथमिकता हमेसा से प्रधानमंत्री कै संसदीय क्षेत्र बनारस क विकास कइल रहलि हौ। बइठकी में येह सज्जो कार्यन क बिस्तार से समीक्षा कइल गइल।

****

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस–यूपीआई उपयोगकरता अब एक दिन में दस लाख रूपिया तक क व्यक्ति–से–ब्यौपारी लेनदेन कइ सके लें। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम–एनपीसीआई तय श्रेणियन में व्यक्ति–से–ब्यौपारी लेनदेन बदे एकल लेनदेन सीमा के बढ़ा के पांच लाख रूपिया कइ दीहले बा। एगो रिपोर्ट–

एनपीसीआई ने पिछले महीने प्रति लेनदेन सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था, जबकि अधिकांश मामलों में कुल सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक कर दिया गया है। हालाँकि, व्यक्ति–से–व्यक्ति लेन देन की सीमा एक लाख रुपये प्रति दिन पर बरकरार रहेगी। वहीं, क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान अब प्रति लेनदेन 5 लाख रुपये तक किया जा सकता है, जो एक दिन में अधिकतम 6 लाख रुपये हो सकता है। समाचार कक्ष से करिश्मा राय।

****

महराजगंज जिला में चउदह अक्टूबर से पचीस नवम्बर ले सांसद खेल स्पर्धा क आयोजन कइल जाई। ई जनकारी केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी आजु पत्रकार लोगिन से बातचीत में दिहलें।

****